कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन चार्टर

स्रोत: द हिंदू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (CSC) के सदस्यों (**भारत, श्रीलंका, मालदीव और मॉरीशस**) ने कोलंबो में **CSC सचिवालय** की स्थापना हेतु एक चार्टर एवं समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये।

- **इसमें बांग्लादेश** अनुपस्थित रहा तथा **सेशेल्स ने** पर्यवेक्षक राज्य के रूप में भाग लिया।

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन से संबंधित प्रमुख तथ्य क्या हैं?

- **CSC की पृष्ठभूमि:** इसे मूल रूप से समुद्री सुरक्षा पर NSA ट्राईलेटरल के रूप में जाना जाता था और इसे वर्ष 2011 में **भारत, श्रीलंका एवं मालदीव के बीच स्थापित किया गया था।**
    - यह हिंद महासागर क्षेत्र में **समुद्री सुरक्षा** बढ़ाने के लिये **श्रीलंका की एक पहल थी।**
- **सदस्य: भारत, श्रीलंका और मालदीव** इसके संस्थापक सदस्य थे।
    - **वर्ष 2022** में **मॉरीशस** जबकि **बांग्लादेश वर्ष 2024** में इस सम्मेलन में शामिल हुआ। **सेशेल्स** इसमें एक पर्यवेक्षक राज्य है।
- **CSC के लक्ष्य:** CSC के तहत सहयोग **पाँच लक्ष्यों पर केंद्रित है:**
    - **समुद्री सुरक्षा** एवं संरक्षा।
    - **आतंकवाद और कट्टरपंथ का** मुकाबला करना।
    - **तस्करी** और अंतरराष्ट्रीय **संगठित अपराध** का मुकाबला करना।
    - साइबर सुरक्षा तथा रणनीतिक बुनियादी ढाँचे और प्रौद्योगिकी की सुरक्षा।
- मानवीय सहायता एवं आपदा राहत।
- **रक्षा अभ्यास:** नवंबर 2021 में भारत, श्रीलंका और मालदीव ने **मालदीव में** अभ्यास दोस्ती XV का आयोजन किया।
    - **इसके बाद भारत, श्रीलंका और मालदीव ने** CSC के तत्वावधान में **अरब सागर** में अपना पहला संयुक्त अभ्यास किया।
- **संवाद और बैठकें: तीनों देशों के बीच** प्रथम **वार्ता वर्ष 2011 में मालदीव में** हुई, इसके बाद **श्रीलंका (2013) और भारत (2014) में बैठकें हुई।**
    - **भारत-मालदीव के बीच बढ़ते तनाव** और हिंद महासागर में **चीन के बढ़ते प्रभाव** के कारण वर्ष **2014 के बाद** यह वार्ता स्थिर हो गई।
    - इसे वर्ष 2020 में पुनर्जीवित किया गया और **कोलंबो सुरक्षा कॉन्क्लेव के रूप में पुनः स्थापित किया गया।**
- **CSC का महत्त्व:** CSC **भारत की हिंद महासागर में पहुँच को मज़बूत करता है, चीन के प्रभाव का सामना करता है, समुद्री सुरक्षा को बढ़ाता है, यह सागर (SAGAR) दृष्टिकोण** के साथ संरेखित है, और **साझा सुरक्षा मंच** पर छह हिंद महासागर देशों के बीच **उप-क्षेत्रवाद को बढ़ावा देता है।**

हिंद महासागर भारत के लिये क्यों महत्त्वपूर्ण है?

- **केंद्र स्थल: अफ्रीका से आस्ट्रेलिया तक** फैला हिंद महासागर भारत को **प्रमुख समुद्री मार्गों पर नियंत्रण रखने की स्थिति में रखता है, जिसमें मलक्का और** होरमुज जलडमरूमध्य जैसे महत्त्वपूर्ण बैरियर पॉइंट भी शामिल हैं, जो वैश्विक व्यापार और राष्ट्रीय हितों के लिये महत्त्वपूर्ण हैं।
- **व्यापार मार्ग:** भारत ऐतिहासिक रूप से हिंद महासागर में एक **स्थायी शक्ति के रूप में कार्य करता रहा है, तथा उसके सामरिक जल के 40% भाग पर अधिग्रहण रखता है।**
    - **मात्रा की दृष्टि से भारत का** लगभग 95% तथा मूल्य की दृष्टि से 68% व्यापार हिंद महासागर से होकर गुजरता है।
- **ऊर्जा सुरक्षा:** भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिये हिंद महासागर पर बहुत अधिक निर्भर है तथा **अपनी लगभग 80% कच्चे तेल की आवश्यकता** इसी मार्ग से आयात करता है।
- **खनिजों से समृद्ध:** हिंद महासागर **विश्व के अपतटीय तेल उत्पादन का 40% तथा निकिल, कोबाल्ट और ताँबे** जैसे खनिजों का भंडार है।
- **मत्स्य उद्योग:** हिंद महासागर में महत्त्वपूर्ण **मत्स्यग्रह क्षेत्र हैं,** भारत का मत्स्य उद्योग लगभग **14 मिलियन लोगों को रोज़गार देता है।**

[//](//)

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/colombo-security-conclave-charter